दो अंतरराज्यीय सड़कों को तीन भाग में निर्माण की दी गई स्वीकृति, टेंडर जारी, लखनऊ और असम जाना हो जाएगा आसान

बिहार में 318 किमी एनएच फोरलेन बनेगा

यातायात

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

राज्य से गुजरने वाले दो अंतरराज्यीय राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच) फोरलेन होंगे। बिहार में पड़ने वाले इन सड़कों के 318 किमी भाग को तीन हिस्से में बांटकर फोरलेन करने की स्वीकृति केन्द्र ने दी है। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इसका डीपीआर बनाने का टेंडर भी कर दिया है। इन सड़कों के बन जाने से बिहार उत्तर प्रदेश, झारखंड और असोम से फोरलेन सड़क से जुड़ जाएगा। फोरलेन बनाने के लिए इन सड़कों का नए सिरे से निर्माण होगा।

एनएचएआई ने एनएच 28 के मुजफ्फरपुर से बरौनी तक के भाग को फोरलेन बनाने के लिए डीपीआर बनाने का टेंडर किया है। यह सड़क लखनऊ से बरौनी तक जाती है। लखनऊ से मुजफ्फरपुर तक का भाग पहले से ही फोरलेन है, लेकिन मुजफ्फरपुर से बरौनी तक 108 किमी की दूरी में यह सड़क अभी दस मीटर चौड़ी है। यानी फुटपाथ के साथ दो लेन। अब इस भाग की चौड़ाई बढ़ा देने से पूरी सड़क फोरलेन हो जाएगी।

झारखंड से असोम तक जाने वाली सड़क एनएच-31 के बिहार में पड़ने वाले भाग को भी फोरलेन बनाने की स्वीकृति केन्द्र ने दी है। बिहार से बाहर यह सड़क भी पहले से फोरलेन है। यह सड़क बिहार में रजौली से होते हुए पूर्णिया तक जाती है। इसी सड़क के मोकामा-मुंगेर और खगड़िया-पूर्णिया भाग को फोरलेन करने की स्वीकृति केन्द्र ने दी है। इसका भी डीपीआर बनाने का टेंडर हो गया।

मिली मंजूरी

- मुजफ्फरपुर-बरौनी, मोकामा-मुंगेर व खगड़िया पूर्णिया सड़क होगी फोरलेन
- एनएच 28 को मुजफ्फरपुर से बरौनी तक फोर लेन बनेगी सड़क

318	03	04	10
किमी सड़कों को मिली स्वीकृति	हिस्सों में बांट कर बनेगा रोड	लेन बनेंगी ये सड़कें	मीटर चौड़ाई है इन सड़कों की

राज्य सरकार ने दोनों सड़कों को फोरलने बनाने की मांग केंद्र से की थी। केन्द्र सरकार ने इसकी स्वीकृति दे दी है। डीपीआर को स्वीकृति मिलने के बाद इनके निर्माण का टेंडर होगा। ये सड़कें बिहार को चार राज्यों से जोड़ती हैं। – नंदकिशोर यादव, मंत्री, पथ निर्माण विभाग

बख्तियारपुर-रजौली सड़क भी जल्द बनेगी फोरलेन

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

बख्तियारपुर-रजौली सड़क के दिन फिरने वाले हैं। इसकी मरम्मत करने का टेंडर फाइनल हो गया है। मरम्मती 20 जनवरी से शुरू हो जाएगी। पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव इसकी शुरुआत नवादा से उसी दिन करेंगे। साथ ही इस सड़क की फोरलेनिंग के भी आसार जग गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने फोरलेनिंग का डीपीआर बनाने का टेंडर कर दिया है।

बख्तियारपुर व राजौली सड़क को राज्य सरकार गंगा पर बन रहे ताजपुर-बख्तियारपुर पुल से जोड़ना चाहती है। ऐसा होने पर राज्य में नया रोड कॉरिडोर तैयार हो जाएगा। झारखंड उत्तर बिहार से सीधे जुड़ जाएगा। लिहाजा सरकार ने मरम्मत के साथ फोरलेनिंग की योजना भी बना ली है। मरम्मत हो जाने पर सड़क पर पूर्व की तरह यातायात सुगम हो जाएगा, लेकिन ट्रैफिक के घनत्व और सड़क की महत्ता को देखते हुए इसकी फोरलेनिंग का काम भी जल्द शुरू होगा।

केन्द्र ने यह सड़क राज्य सरकार के जिम्मे कर दी था, लेकिन यह मामला वन विभाग की क्लियरेंस को लेकर काफी दिनों तक फंसा रहा। बाद में जमीन की समस्या भी आई। लिहाजा 2015 में पथ विकास निगम ने इस सड़क को केन्द्र सरकार को वापस करने का फैसला किया। उसके बाद अब जाकर इसका डीपीआर बनाने का टेंडर हुआ है।

सुविधा

- मरम्मत का टेंडर फाइनल, फोरलेनिंग की भी प्रक्रिया शुरू
- 20 जनवरी से मरम्मत शुरू हो जाएगी दो लेन सड़क की

107.92	किलोमीटर लंबी है सड़क
180	दिन में फोरलेनिंग का डीपीआर बनेगा

62 करोड़ रुपए खर्च होंगे सड़क की मरम्मत पर

पीपीपी मोड में बननी थी

नवादा जिले के राजौली और पटना जिले के बख्तियारपुर के बीच की यह सड़क उस समय पीपीपी मोड में फोरलेन बननी थी। यह काम हैदराबाद की एक कंपनी को वर्ष 2012 में आवंटित किया गया था, लेकिन लंबे समय तक मामला अटका रहा तो पथ निर्माण विभाग ने इस सड़क से अपना हाथ खींच लिया। यह सड़क शून्य वीजीएफ पर बनने वाली थी। यानी इस काम में न तो राज्य सरकार को एक पैसा देना था और न ही केन्द्र सरकार को। सारा पैसा काम करने वाली एजेंसी को भुगतान करना था। यह राशि बाद में उपभोक्ताओं से वसूली जाती। अब इसके निर्माण पर सरकार अपना पैसा खर्च करेगी।